



ॐ नमः ४ धाकृति कार्थे ॥ धागुत्रयाइकार्थेनमानमः ॥ गतासंधा ॥ नागिय ॥ ॐ
 डांआत्मगत्यायस्वाहा ॥ ॐ डां विद्यागत्यास्वाहा ॥ ॐ डां गितगत्यायस्वाहा ॥ ॥
 ॐ नागांयुगद्वय ॥ कर्तुद्वयद्वयगितगित्या ॥ ॐ उयवस्यवंसनं ॥ ॥ सक्तास्थाय
 व्यास ॥ नमस्तुतुतुयुयु ४ म हायाष्टयगामुयरुट् ॥ कव (गधनं) ॥ ॐ डां अथा
 नडांसर्वज्ञागाकनिश्चिकायनमः ॥ ॐ डां थथा न डां व द्वा अनामिकासनमः ॥
 ॐ डां थथा न द्वा न द्वा न द्वा कालिनीमध्वमायनमः ॥ ॐ डां सर्वगः सर्वसर्वज्ञः
 विमलगर्जन्यायनमः ॥ ॐ डां शसः ४ आगितुयात्मनडां अगुष्टायनमः ॥ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 विद्या गत्या यसा हा ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ न्यास पूर्व वक्तु ॥ ध्यान ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 स्वाव नानका जगज्ज्ञायवी गनी ॥ हं स यद्वा सनावा ला वतु वे कु वतु उजा ॥ शुवा
 क मालिनी दक्ष वासुदेव क मधु ल ॥ व न्न ग स्य सि सं ध्या यां या न स्या न क व ॥ पु न
 ॥ ॥ मय गी न ज य १० ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ वि द्य रु म हा द वा य धा म ह न भा व न
 द य था द या न ॥ मय गी ॥ ॐ सर्व या य द य काम ना र्थ ॐ दं ज यं ग हा नं स्वा हा ॥ लं ख
 न तु का व वा य धा न ३ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ वि द्य रु म हा द वा य धा म ह न भा व न
 सि न्हा दित्य स्या निव स्य च ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 म वि धि स मा क ॥ ॥ स व न ५० ॥

१ स सि ली नि त्त ॥ क म के वि द्य रु म हा द वा य धा म ह न भा व न



गगनावायनयूजा॥ न्यास॥ ॐ ह्रीं नमो नमो वायवाय अस्माय रुद्र॥ ७ ॥ नमो नमो
वायवाय कनिष्ठिकाय नमः॥ ॐ ह्रीं नमो नमो वायवाय अनामिकाय नमः॥ ॐ ह्रीं
नमो नमो वायवाय मध्यमाय वीर्यवती॥ ॐ ह्रीं नमो नमो वायवाय मर्कट्याय स्वाहा॥ ॐ
ह्रीं नमो नमो वायवाय अंगुष्ठाय नमः॥ ॐ ह्रीं नमो नमो वायवाय द
दयाय नमः॥ ॐ ह्रीं नमो नमो वायवाय मित्तस्वहा॥ ॐ ह्रीं नमो नमो वायवाय शि
खाय वीर्यवती॥ ॐ ह्रीं नमो नमो वायवाय कवचाय हुं॥ ॐ ह्रीं नमो नमो वायवाय नम
उय वीर्यवती॥ ॐ ह्रीं नमो नमो वायवाय अस्माय रुद्र॥ अंग न्यास॥ ॥ आसन॥ गत्र

ॐ ह्रीं सोमो स्वाहा अतिशक्ति कालिका ये स्वाहा ॥ ददि ॥ ॐ ह्रीं सोमो स्वाहा विष्णु शक्तिः
 कालिका ये स्वाहा ॥ वामा ॥ ॐ ह्रीं सोमो स्वाहा शिव शक्ति कालिका ये स्वाहा ॥ दकाः
 ॥ ॐ ह्रीं सोमो स्वाहा उड शक्ति कालिका ये स्वाहा ॥ नलो ॥ ॐ ह्रीं सोमो स्वाहा सदा शिव
 शक्ति कालिका ये स्वाहा ॥ एष्ट ॥ ॐ ह्रीं सोमो स्वाहा महा शिव शक्ति कालिका ये स्वाहा
 ॥ कद्रुदि ॥ ॐ ह्रीं सोमो स्वाहा सदा शिवाय विष्णु शिव स्वाहा ॥ सर्व शक्ति कालिका ये
 स्वाहा ॥ ॐ शिवाय कादिनिना दिया दानं ॥ ॐ महा काम कला शक्तिः
 यनये न च त्रयिना विष्णु शिवान सांगत्यं द ह्युद्धि यय चम ॥ गय गीत जय यय धन १०

॥ शुक्लाभि शुक्ल शुक्ला र्यां गृहाणां गम कर्तव्यं सिद्धि लब्धु ममा गत्व सु सा दा त्वया हि
 मज्जयं गृहाणां स्वाहा ॥ ॐ शिव विष्णु शिवान ॥ ॥ अर्थ न र्येण विधि ॥ ॥ लिग र्चन स्य न र्येण
 ॥ ॐ ह्रुद वगाया न र्येण विधि ॥ ॥ यि न र्येण ॥ ॐ शिव र्येण ॥ ॥ सहा न मूढान गार्थ
 विसर्जनं ॥ ॐ शिवान विधि ॥

